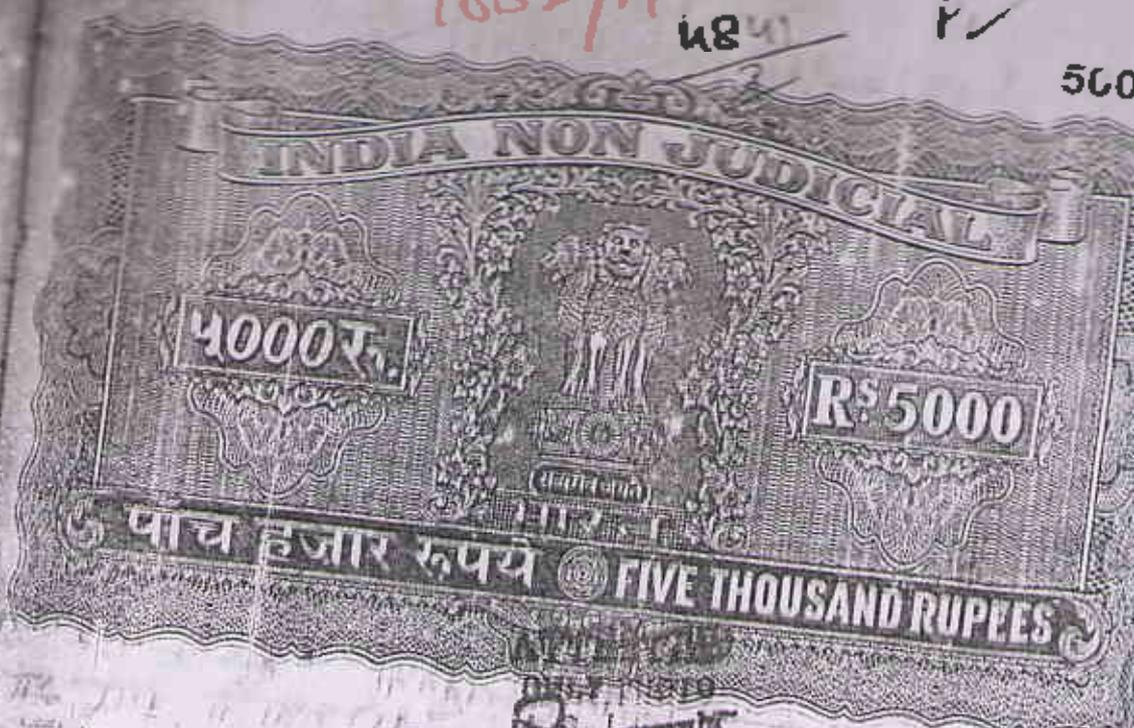


1852/M

484

P✓

560



Advocate  
Law Const.  
JUGRA



1/28  
19-05-20

मि. प्रमोद  
मि. अशोक



मि. अशोक

बनामा तादादी - 7,20,000/- रुपया  
सरकारी गा लियत - 7,21,000/- रुपया ।  
तर्किल रेट - 30,00,000/- रुपया प्रति हेक्टेयर ।  
अदा बिया गया स्टाम्प - 72,100/- रुपया ।

मि. प्रमोद

@kath

बकल उबार कथा  
मि. वि. के इस्ताफा ✓

मि. प्रमोद

@kath





४००

श्री गणेशाय नमः  
१५

१५-१५

१२९०००१ - अज्ञान  
श्री गणेशाय नमः  
१५

121

विवरण विक्रित आराजी - आराजी बाकें मौजा करौली अहीर तहसील व  
जिला आगरा खाता नंबर 386 खतरा नंबर 230 रकम ई 2.13.16 हेक्टेयर  
व खतरा नंबर 949 रकम ई 0.1085 हेक्टेयर जगानी मुलाधिकारतानी जो  
कृषिकीय भूमि है जिसके आत्मात 200 मीटर की परिधि में खेती हो रही  
है जिसमें कोई पेड़ रूपका व आलादी नहीं है तथा खेती व जेता अनुचित  
जाति के सदस्य नहीं है।

विक्रेता - श्री गती मिश्र धर्माली श्री तिलक सिंह यादव निवासी जग  
करौली अहीर तहसील व जिला आगरा।

जेता - श्री. डायमण्ड स्टोल्स प्रा० लि० बरवा नगर आगरा द्वारा अधिष्ठा  
प्रतिनिधि श्री दिग्विजय चतुर्वेदी पुत्र श्री हुकमचन्द चतुर्वेदी तिलाली 21  
शिवजी नगर शाहजंज आगरा।

व  
यादव  
आगरा

यादव आगरा  
१५-१५

(1984)  
बकल तेनार कर्षा  
वि. वि. के हस्ताक्षर

मिथलेश  
मिथलेश

Dhat

Dhat

व्य निवासी

20-15



12/11/21  
12/11/21  
12/11/21

151

मै कि श्रीमता मिश्रीया धर्मोत्ती श्री तिमिक त्तेह भारत निवासी ग्राम  
बरौली अहीर तहसील व जिला आगरा की हु ।

जोकि आराजी वाकै मौजा बरौली अहीर तहसील व जिला आगरा  
जाता नंबर 386 बहारा नंबर 930 रकबई 0.1316 हेक्टेयर व कतरा नंबर  
349 रकबई 0.1085 हेक्टेयर लगानी मुताबिक धौनी जो वृध्तीय धूमि  
है की मै मुकिया वहीने इन्द्राज कागजात अदागत मात के तमहा इंजिनरीय

12/11/21

Dehat

Dehat

मिथलोश

ककत तैवार कर्ता  
वि. डि. के कर्ता

5000



14

शुद्धि मातृक का मिन का मिन व टकील लू और भेरा नाम का मिनत  
सरकार में वही शिपत मातृक के दर्ज चला आता है निवाय भेरे अन्य कोई  
इकदार व हिस्सेदार वगैरा किसी तरह का आराजी मजदूर में नहीं है जो  
माने किसी तरह के इतकावकीरा का होये और उक्त आराजी मजदूर आध  
तक हर प्रकार के करजे व पार व इतकावकीरा व कुम्भत देवता वगैरा व निम्नेदास्थि

मिथलेश



मिथलेश

Wahat



Wahat



किस तैयार कर  
वि. सि. के हस्ताक्षर







Stamp: 10.11.2003

161

अगर वाद तत्कालीन वैनामा हाजा हाके रिक्लाफ  
कोई अम्र वादिर या सापित हो तो शेती जुमला  
सुरती में थे मुक्तिरा जुमला नताहम जानून की जिम्मेदार

मिचलेश

मिचलेश

Q/kat

Q/kat

बकल तयार कवा  
वि० लि० के इस्ताफ.



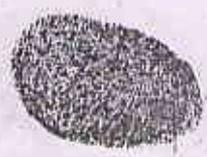
६२



171

हूंगी अब मुद्राको उपरोक्त आराजी मजदूर का  
विक्रय करना चाहते जरूरत खुद व मिलने माफ़ी  
की मत वक्त मौजूदा के मजूर है लिहाजा मेने उक्त

अभिधलेश



अभिधलेश

*Signature*

*Signature*



काम तैयार क्या  
दि. वि. के हस्ताक्षर ✓

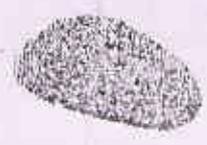


/8/

आराजी को अपनी राजी व सुनारी ते विलायतकाये  
सिजाये दिला दबाव किसी नाजायज के मय मुजला  
हक हक दाखिली व धारिजी के शिल स्वयं मुखलिन

मिथलेश

*Qhat*



मिथलेश

*Qhat*



रकम तैयार करवा  
मि. डि. के हस्ताक्षर ✓



17/10/ 911

7,20,000/- सात लाख बीस हजार रुपया कि आटे  
जिसके मुकामि 3,60,000/- तीन लाख साठ हजार रुपया  
होते हैं वदस्त जी. डायमण्ड स्टोल्स प्रा० लि० कम्पानिगर  
आगरा द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि श्री दिग्विजय चतुर्वेदी  
मिचल 21

*Dhat*

मिचल 21

*Dhat*

कमल नंवार कथा  
वि. वि. के इस्ताक

502



/10/

पुत्र श्री हुकमचन्द चतुर्वेदी निवासी 21 मिवाधीनगर  
शाहज आगराको पैय कतई हो और डेरदी नीगत का  
कुल रूपया मै खरीदार से हस्य तमसील कै: वज्र पाना  
मिश्रवेश



मिश्रवेश



Dhat



Dhat



दस्तावेज तैयार कयो 6  
वि० सि० के अस्ताक ✓



111

तय करार पाया है अब वाकत जरेतमन मजकूरमेरा खरीदार  
से कीमत में कुछ पाना शेष नहीं रहा न भविष्यमें होगा ।  
निहाजा कसमा त देखल वाकई जाली आराजी परआज की

मिथलेश



Dhat

मिथलेश



Dhat



कसत देवात कसत  
वि. वि. के हस्ताक ✓



1121

तारीख से खरीदार का कराटिया और खरीदारको गाराजी गजकुर का लहा मालिक का मिला लावज व दधीन बनाटिया अब खरीदारको अधिकार है कि वह आराजो मजकुरते पहैतियत मालिक चाहे जैसे लाभान्वित होवे कुण अदत्य रात निरुवत

मिचलेश



मिचलेश

dat



dat



बकल उचार कहां  
वि. वि. के हस्ताक ✓



131

आराजी मजकूर तथा खरीदार को एक मालिकाना  
हासिल है और आर्यदारहेने खरीदार अपने नाम का  
दाखिल खारिज कागजात सरकार में जरिए पैनामा राजा

मैथिलेश

मैथिलेश

Dakhat

Dakhat

बकस तथा रकम  
वि. वि. के हस्ताक्षर

C

4807



114/

दर्ज करालेवे अगर तानी उतहाल कोई कारिस्त  
या दावेदार लोमी या खानदानी या नीच दीगर  
किसी तरह का कित्तगतदार आराजी मजकूर में पैदा होब  
दावा व झगडा खरीदारते करे याउतकी वजह याकिसी दीगर

मिथलेश

मिथलेश

@dat



@dat

बकस देवार कथा  
वि० वि० के अस्ताक



151

पणह ते गाराजी मजकूरका पुज व कुल कब्जा व दखल खरीदार ते निकल जावें तोसेती जुमलासुरतीं में उत कुल की जवाबदेही व जिम्मेदारी व अदायगी जरेतमन मजकूर मय सुदहरजा व खरचा व लागत के जिम्मे जातखात व जायदाद मनकूला व गैर मनकूला हर किम मिनवाया व वारितान व कायम मुकामान के है और होगा खरीदार अपना कुल खया जरिस अदालत पसूल कर लेवे इसमें कुछ उग्र नहीं होगा ।

उक्त ग्राम में गाराजी का रार्किलेट 30,00,000/- खयाप्राति हैक्येर है जो कृषिनीय भूमि है जितपर नियमानुसार स्टास अदा किया गया है तथा स्टास अधिनियम की धारा 27(1) का उल्लंघन नहीं किया गया है न कोई लक्ष्य छिपाया गया है जो बरौली अहीरतेक धिकारत लण्ड की ओर है ।

मिथलेश

Prhat

बकल नेवार कया  
वि. वि. के हस्ताका

C



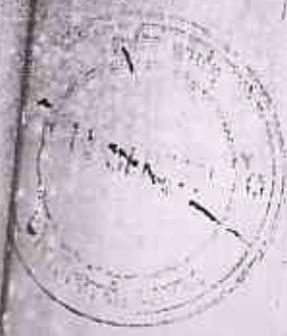
मिथलेश

Prhat





Handwritten notes in Hindi, including 'म. प. न. वि.' and 'म. प. न. वि. १५५५'.



1161

तस्मील वसुलयावी जरेतम इतपकार है :-

कीमत का कुल स्थयानन्द पेशातरं प्राप्त कर लिया है अब कुछ पाना शेष नहीं रहा ।

मिथलेश



Handwritten signature or mark.

मिथलेश



Handwritten signature or mark.



बकल तयार कचा  
मि. वि. के हस्ताक्षर

INDIA NON JUDICIAL

₹ 100

R 100

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

63268

117

जिला न्यायालय  
दिल्ली  
7005  
आगरा

निहाबाघत के नाम निम्न लिखा कि तमद रहे और तमदपर काम  
आये तहरीर तारीख 26/9/2005 ई0 व मलौदा हरीशंकर लवानिया  
रडवोकैट तहसील तदर आगरा व टाकप वाई सुरेश कुमार तहसील परितर  
आगरा व इकरार मुकिया के तहरीर किया गया ।

Drafted by  
H. S. Laxola  
Sadar Tahsil  
AGRA

यह दरताकेब दिक्का व कसत जे इला  
कसाये गये निदेशों के अनुसार लिया गया  
है। अगर उपरोक्त दिक्के गये तहरीरों में कोई  
भी तका जरूरत पाया जाता है तो उपरोक्त  
दरताकेब के तहरीरों को प्रमाणित करने  
किरफत तहरीरों हेतु पत्रक तान में अपने  
परतद्वार आकर भेजे हैं।

पुनोद शास्त्र की इच्छा वपातमात्र  
नि लखनौ-करीब उगाम मिथलेश  
पुनोद शास्त्र मिथलेश

Handwritten signatures and stamps, including a circular stamp and several ink smudges.

एकस तवार कथा  
वि० लि० के इस्ताका

6711  
26/9/05

श्री. शशिंतोष फरीदी  
12007

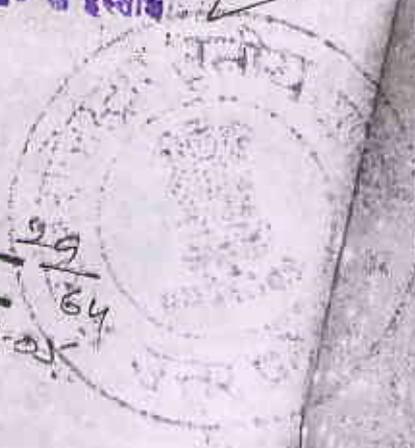
पत्रिका नं-7  
प्राप्तिका की मर्यादा- 31 मार्च 2006  
प्रदत्त उद्देश्यीय भाषणा

प्रतिभाषिका

काल III काल

11-7-14

वकाल तैयार कर्वा  
वि. वि. के इस्ताख



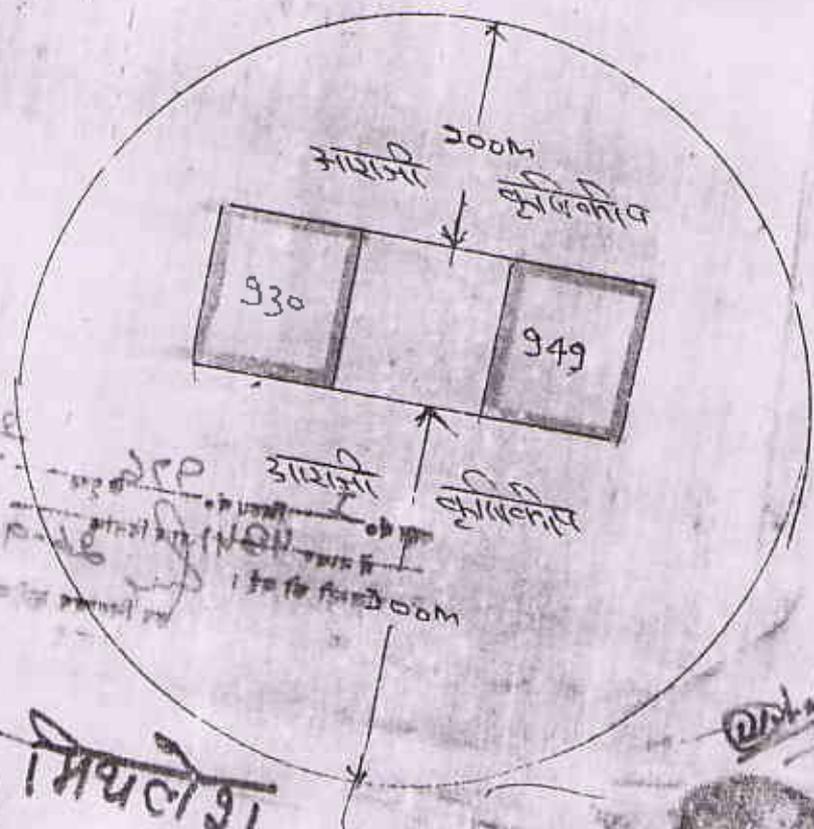
पत्रिका नं- 926  
पत्रिका नं- 4841  
पत्रिका नं- 29  
पत्रिका नं- 64  
26-9-05

मिड

पत्रिका नं- 1000  
पत्रिका नं- 1000  
पत्रिका नं- 1000

1807

नमो आशाना बाके मीना बाके इतिहास अन्त  
 १३३० इतिहास ०.१३१६ इतिहास १३  
 इतिहास ०.१०८५ इतिहास जो कृषिनीय मीना  
 निम्नता ! जीमिमीमिलेडा पलो तिमिक मिहया  
 केता ! जी इयमण्ट इयिमा जो ति इयमण  
 इयमण्ट इयिमा जो ति इयमण  
 मकये मे जो लाल से दिखाना है



एक पत्र के  
 वि. वि. के इतिहास

१३३०